खतरा

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी बड़ी माई मंदिर की बाउंड्री वॉल, ढहने की कगार पर खड़ा निर्माण, श्रद्धालुओं की जान पर मंडराया बड़ा खतरा

5 .51 लाख की लागत से बनी दीवार में पड़ीं दरारें

मंडला, नवभारत। जनपद पंचायत नारायणगंज के अंतर्गत ग्राम पंचायत खैरी में शासन की राशि के दुरुपयोग और घटिया निर्माण का मामला सामने आया है। बताया गया कि नारायणगंज क्षेत्र में आस्था का प्रमुख केंद्र बड़ी माई मंदिर परिसर में 5वें और 15वें वित्त आयोग की करीब 5.51 लाख रुपये की भारी-भरकम राशि से मंदिर परिसर की बनाई गई बाउंड्री वॉल निर्माण के कुछ ही समय बाद अपनी बदहाली की कहानी बयां कर रही है। गुणवत्ता के नाम पर किए गए इस खिलवाड़ ने न केवल सरकारी खजाने को चूना लगाया है, बल्कि मंदिर आने वाले सैकड़ों श्रद्धालुओं के लिए इसे काल का ग्रास बना दिया है।

जानकारी अनुसार मंदिर परिसर की सुरक्षा और सौंदर्यीकरण के नाम पर 18 वाई 2 मीटर की बाउंड्री वॉल का निर्माण किया गया था। निर्माण कार्य को पूरा हुए अभी अधिक समय नहीं बीता है, लेकिन दीवार में जगह-जगह चौड़ी और गहरी दरारें पड़ चुकी हैं। निर्माण की गुणवत्ता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि दीवार का एक बड़ा हिस्सा कभी भी जमींदोज हो सकता है। यह दीवार न केवल टेढ़ी हो चुकी है, बल्कि यह अब अपने ही वजन को संभालने में अक्षम प्रतीत हो रही है।

जुगाड़ के भरोसे सुरक्षा, प्रशासन बेखबर

घटिया निर्माण की पोल खुलने के बाद जब दीवार गिरने की स्थिति में आ गई, तो ठेकेदार और पंचायत ने इसे गिरने से रोकने के लिए सीमेंट के खंभों का जुगाड़ू सहारा खड़ा कर दिया। यह सीमेंट के खंभे स्वयं इस बात का प्रमाण हैं कि निर्माण कार्य में तकनीकी मापदंडों की धज्जियां उड़ाई गई हैं। यह जुगाड़ू सहारा न केवल निर्माण की कमजोर नींव को दर्शाता है, बल्कि यह भी साबित करता है कि संबंधित विभाग को जनता की सुरक्षा से अधिक खानापूर्ति करने की जल्दी थी।

आगामी मानसून में हादसे का अंदेशा

बड़ी माई मंदिर में दर्शन के लिए प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है। श्रद्धालुओं का कहना है कि अगले ही माह मानसून का सीजन शुरू होने वाला है। मंदिर परिसर के पास बारिश का पानी जमा हो जाता है, जिससे जमीन में नमी बढ़ेगी और नींव और अधिक कमजोर होगी। ग्रामीणों का स्पष्ट मानना है कि यदि पहली बारिश के पहले इस असुरक्षित ढांचे को ठीक नहीं किया गया, तो दीवार का गिरना तय है। बारिश के दौरान जलभराव के बीच यह ढहती हुई दीवार किसी भी समय बड़ी जनहानि का कारण बन सकती है। मंदिर में आने वाले भक्तों में बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग बड़ी संख्या में होते हैं। क्षतिग्रस्त दीवार के पास से गुजरना अब मौत को दावत देने जैसा है। यदि किसी समय दीवार ढहती है, तो वहाँ मौजूद किसी भी श्रद्धालु का बचना मुश्किल होगा। बावजूद इसके संबंधित ग्राम पंचायत और जनपद प्रशासन इस गंभीर खतरे पर चुप्पी साधे बैठा है। स्थानीय ग्रामीणों और मंदिर समिति के सदस्यों ने इस मामले में कड़ा रोष प्रकट किया है।

ग्रामीणों ने की जांच की मांग

ग्रामीणों का आरोप है कि सरपंच, सचिव और संबंधित उपयंत्री की मिलीभगत के बिना इतनी बड़ी धांधली संभव नहीं है। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की है कि इस पूरे निर्माण कार्य की तत्काल उच्च स्तरीय तकनीकी जांच कराई जाए। घटिया निर्माण के लिए जिम्मेदार सरपंच, सचिव और संबंधित उपयंत्री के विरुद्ध कड़ी दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। किसी बड़ी अनहोनी को टालने के लिए इस असुरक्षित ढांचे को अविलंब हटाकर पुनः मजबूत बाउंड्री वॉल का निर्माण कराया जाए। क्षेत्रवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही प्रशासन ने इस पर संज्ञान नहीं लिया, तो वे उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

सोन व गायधर बीट में घायल बाघों का किया उपचार

खतरनाक सीडीवी वायरस की रिपोर्ट आई निगेटिव

कान्हा/मंडला। कान्हा टाइगर रिजर्व प्रबंधन और वन्यजीव स्वास्थ्य विशेषज्ञों के दल ने मुस्तैदी दिखाते हुए दो अलग-अलग परिक्षेत्रों में दो महत्वपूर्ण वन्यजीव स्वास्थ्य निगरानी एवं उपचार अभियानों को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। वन विभाग और विशेषज्ञ पशु चिकित्सकों की टीम ने वैज्ञानिक प्रोटोकॉल के तहत नर बाघ टी-125 और टी-159 का स्वास्थ्य परीक्षण, इलाज और गंभीर बीमारियों की जांच पूरी की। इलाज के बाद दोनों बाघों को सुरक्षित उनके प्राकृतिक आवास जंगल में छोड़ दिया गया है।

सरही परिक्षेत्र में बाघ टी-159 का हुआ इलाज

पहला मामला सरही परिक्षेत्र के सोंफ बीट क्षेत्र का है। यहां फील्ड स्टाफ को लगभग 7-8 वर्षीय नर बाघ टी-159 के आगे के पैर में चोट, लंगड़ाहट और सुस्ती के संकेत मिले थे। कान्हा प्रबंधन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए विशेषज्ञ दल को रवाना किया। सुरक्षित रूप से परीक्षण करने पर पाया गया कि बाघ के पंजे के नाखून में पुरानी चोट और सतही घाव था, जिसमें प्राकृतिक रूप से सुधार हो रहा था। टीम ने आवश्यक औषधियां और सपोर्टिव मेडिकेशन देकर बाघ को वापस जंगल में छोड़ दिया।

मुक्की परिक्षेत्र में बाघ टी-125 का हुआ रेस्क्यू

दूसरा मामला मुक्की परिक्षेत्र अंतर्गत गायधर बीट सीएन 165 मिंकुर एनीकट का था। यहां स्टाफ ने करीब 8 वर्षीय नर बाघ टी-125 को सुस्त और लंगड़ाकर चलते हुए देखा था। विशेषज्ञ दल ने मौके पर पहुंचकर बाघ को सुरक्षित रूप से अचेत किया। प्रारंभिक जांच में बाघ का शारीरिक स्वास्थ्य संतोषजनक पाया गया। आवश्यक उपचार और निगरानी के बाद इस बाघ को भी सुरक्षित रूप से जंगल में वापस छोड़ दिया गया।

इन विशेषज्ञों की देखरेख में हुआ ऑपरेशन

यह पूरी जटिल और संवेदनशील कार्रवाई प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव), मध्यप्रदेश द्वारा गठित विशेषज्ञ दल के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। इस संयुक्त रेस्क्यू ऑपरेशन में संस्थाओं के विशेषज्ञ शामिल रहे। जिसमें स्कूल फॉर वाइल्ड लाइफ फॉरेंसिक एंड हेल्थ जबलपुर, वाइल्ड लाइफ कंजर्वेशन ट्रस्ट भोपाल, वन विहार राष्ट्रीय उद्यान भोपाल और कान्हा टाइगर रिजर्व के वन्यजीव स्वास्थ्य विशेषज्ञ, वन अधिकारी एवं रेस्क्यू दल मौजूद रहा।

वन्यजीव संरक्षण प्रबंधन का महत्वपूर्ण हिस्सा

कान्हा टाईगर रिर्जव प्रबंधन का कहना है कि वन्यजीवों की नियमित स्वास्थ्य निगरानी, वैज्ञानिक परीक्षण एवं त्वरित उपचार हमारे वन्यजीव संरक्षण प्रबंधन का एक बेहद महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस प्रकार की सतत निगरानी और त्वरित उपचारात्मक पहल से बाघों सहित अन्य दुर्लभ वन्यजीवों के दीर्घकालिक संरक्षण को बल मिलता है।

खतरनाक कैनाइन डिस्टेंपर वायरस की हुई जांच

दोनों ही मामलों में विशेषज्ञ चिकित्सकीय दल ने रैपिड एंटीबॉडी टेस्ट के माध्यम से वन्यजीवों के लिए बेहद घातक माने जाने वाले कैनाइन डिस्टेंपर वायरस एवं अन्य संक्रमणों की तत्काल जांच की। विस्तृत और गहन परीक्षण के लिए बाघों के खून व अन्य जैविक नमूनों को एसडब्ल्यूएफएच प्रयोगशाला जबलपुर भेजा गया है।

15 किमी पैदल चल दुर्गम पहाड़ियों को पार कर बैगा-गोंड बाहुल्य टोले पहुंचे एसडीएम

इतिहास में पहली बार आदिवासियों के द्वार पहुंचे बड़े अधिकारी, कड़े निर्देश के बाद मौके पर ही तैयार हुआ एक्शन प्लान

घुघरी/मंडला, नवभारत। कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे के निर्देशन में मंडला जिला प्रशासन लगातार संवेदनशीलता के साथ दूरस्थ ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों तक पहुंच रहा है। इसी कड़ी में घुघरी तहसील की बम्हनी पंचायत के पटनी एवं कुल्लू टोला में विकास की नई किरण पहुंचाने के लिए एसडीएम सचिन जैन ने अपनी टीम के साथ एक अनूठी मिसाल पेश की। दुर्गम पहाड़ी मार्ग और वाहनों की पहुंच न होने के कारण एसडीएम और प्रशासनिक अमले ने साढ़े सात किलोमीटर जाना और साढ़े सात किलोमीटर आना, यानी कुल 15 किलोमीटर का सफर पैदल तय किया और आदिवासियों के बीच पहुंचे।

बताया गया कि जब प्रशासनिक अमला कठिन पहाड़ी रास्तों, नदी-नालों को पार कर टोले में पहुंचा, तो वहां रहने वाले गोंड और बैगा जनजाति के 110 परिवारों के चेहरे खिल उठे। विशेषकर बुजुर्ग और महिलाएं अधिकारियों को अपने बीच देखकर भावुक हो गए। भावुक ग्रामीणों ने कहां कि आज इतिहास में पहली बार कोई बड़ा अधिकारी हमारे दुखों को सुनने और समझने खुद चलकर हमारी चौखट तक आया है।

ग्रामीणों ने बयां कीं बुनियादी समस्याएं-संवाद के दौरान स्थानीय निवासियों ने अपनी दशकों पुरानी समस्याओं को अधिकारियों के सामने रखा। ग्रामीणों ने बताया कि बरसात के दिनों में पहाड़ी नालों का जलस्तर बढ़ने से यह इलाका पूरी तरह मुख्य धारा से कट जाता है। एवं स्कूल भवन क्षतिग्रस्त होने से बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों ने पेयजल, बिजली और मिनी आंगनबाड़ी की आवश्यकता की ओर ध्यान आकर्षित कराया। जिस पर एसडीएम सचिन जैन ने मौके पर मौजूद विभिन्न विभागों के अधिकारियों को तत्काल प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बरसात में संपर्क न टूटे, इसके लिए पुल और पक्की सड़क का प्रस्ताव तैयार किया जाएगा। क्षतिग्रस्त स्कूल भवन की तत्काल मरम्मत और मिनी आंगनबाड़ी की स्वीकृति की प्रक्रिया शुरू की जाए। अधिकारियों के इस आत्मीय और संवेदनशील व्यवहार से ग्रामीणों में व्यवस्था के प्रति एक नया विश्वास जागा है। प्रशासनिक टीम के लौटते समय पूरे टोले के ग्रामीणों ने एकजुट होकर तालियां बजाईं और पूरी टीम का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें विदा किया। इस संवेदनशील दौरे के दौरान तहसीलदार सीके बट्टे, नायब तहसीलदार इंद्रजीत सिंह, राजस्व निरीक्षक सुखदेव, जनपद पंचायत के सीईओ सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

इनका कहना है

मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। पटनी और कुल्लू टोला के विकास कार्यों को चरणबद्ध तरीके से जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा।

सचिन जैन, एसडीएम, घुघरी

गंगा दशहरा पर हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

मंडला। गंगा दशहरा के पावन पर्व पर जिले में भारी धार्मिक उत्साह देखने को मिला। सुबह ब्रह्ममुहूर्त से ही क्षेत्र के विभिन्न नर्मदा घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा के पवित्र जल में आस्था की डुबकी लगाकर अपने परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। घाटों पर सुबह से शुरू हुआ पूजा-अर्चना, दीपदान और धार्मिक अनुष्ठानों का सिलसिला देर शाम तक अनवरत चलता रहा।

नगर के प्रमुख घाट रपटाघाट, सहस्त्रधारा, और माहिष्मति घाट पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रही। महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों ने पूरे श्रद्धाभाव से मां नर्मदा की आराधना की। इस दौरान भक्तों द्वारा नदी में नारियल, फूल-माला और दीप अर्पित कर विशेष पूजा-अर्चना की गई। कई श्रद्धालुओं ने परिवार सहित स्नान करने के बाद घाट पर मौजूद जरूरतमंदों को दान-पुण्य भी किया।

दोनों हाथों से दिव्यांग द्रोपती पैर से लिखकर 12वीं में आई प्रथम

गर्ल्स कॉलेज मंडला में होगा एडमिशन, हॉस्टल की भी तैयारी

मवई, नवभारत। परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, यदि इरादे मजबूत हों तो सफलता कदम चूमती है। इसे सच कर दिखाया है शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भीमडोंगरी की छात्रा द्रोपती धुर्वे ने।

दोनों हाथों से दिव्यांग होने के बावजूद द्रोपती ने इस वर्ष कक्षा 12वीं की परीक्षा अपने पैर से लिखकर 65 प्रतिशत अंकों प्राप्त कर प्रथम श्रेणी के साथ उत्तीर्ण की है। द्रोपती के इस जज्बे को सलाम करते हुए ट्राइबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन उसकी आगे की पढ़ाई का पूरा जिम्मा उठाने के लिए आगे आया है।

कृत्रिम हाथ लगाने के हुए थे बड़े प्रयास

एसोसिएशन द्वारा द्रोपती को कृत्रिम हाथ लगवाने के लिए नागपुर, दिल्ली और मुंबई तक ले जाया गया था। इस कार्य के लिए संस्था 5-6 लाख रुपये तक खर्च करने को तैयार थी। हालांकि कंधे का समुचित विकास न होने के कारण कामकाजी (मायो-इलेक्ट्रिक) कृत्रिम हाथ नहीं लग सका। दिल्ली में उसका कॉस्मेटिक हैंड बनाया गया था, लेकिन वह उसका नियमित उपयोग नहीं कर पाई। इसके अलावा मुंबई के बॉम्बे हॉस्पिटल के प्रसिद्ध डॉक्टर डॉ. मुकुंद थाटे ने द्रोपती के दाहिने हाथ की सर्जरी की सलाह दी थी, लेकिन परिवार की सहमति न मिलने के कारण वह भी संभव नहीं हो सका। इन परिस्थितियों के बाद एसोसिएशन ने निर्णय लिया है कि द्रोपती को पैर से लिखकर ही आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाए और उसकी शिक्षा का पूरा खर्च उठाया जाए।

टीचर्स एसोसिएशन ने घर पहुंचकर बढ़ाया हौसला

शनिवार को ट्राइबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष डीके सिंगोर एवं जिला उपाध्यक्ष प्रदीप पटेल ने द्रोपती धुर्वे के घर पहुंचकर उससे और उसके माता-पिता से मुलाकात की। पदाधिकारियों ने द्रोपती को उसकी 12वीं की अंकसूची एवं ट्रांसफर सर्टिफिकेट सौंपते हुए उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित किया।

द्रोपती का सपना, मुझे शिक्षक बनना है

द्रोपती भविष्य में एक शिक्षिका बनकर समाज को शिक्षित करना चाहती है। एसोसिएशन ने उसके इस सपने को पूरा करने के लिए डीएड और बीए, बीएड कोर्स में प्रवेश की संभावनाएं तलाशीं। डीके सिंगौर ने बताया कि डीएड, बीएड करने में द्रोपती के आगे उसकी आयु सीमा आड़े आ रही है। अभी द्रोपती की उम्र 17 वर्ष पूरी नहीं होने के कारण डीएड में प्रवेश फिलहाल संभव नहीं है। बीए, बीएड पाठ्यक्रम का मामला कोर्ट में विचाराधीन होने के कारण उसमें भी अभी दाखिला नहीं हो पा रहा है। फिलहाल एसोसिएशन ने द्रोपती का बीए पाठ्यक्रम के लिए पंजीयन कराया है और उसका एडमिशन गर्ल्स कॉलेज, मंडला में कराया जा रहा है। द्रोपती को बेहतर शैक्षणिक माहौल और मार्गदर्शन मिल सके, इसके लिए विभागीय अधिकारियों से चर्चा कर उसे शासकीय छात्रावास में प्रवेश दिलाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

इनका कहना है

द्रोपती जैसी संघर्षशील और प्रतिभाशाली छात्रा को यदि उचित अवसर और सहयोग मिले, तो वह निश्चित रूप से अपने लक्ष्य को प्राप्त करेगी। वह भविष्य में अपने माता-पिता का सहारा बनने के साथ पूरे समाज के लिए एक बड़ी प्रेरणा बनेगी।

डीके सिंगौर, प्रदेश अध्यक्ष, ट्राइबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन

आपसी सौहार्द के साथ त्यौहार मनाने की अपील

थाना टिकरिया में शांति समिति की बैठक संपन्न

नारायणगंज। आगामी बकरीद के त्योहार को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से थाना टिकरिया में शांति समिति की बैठक थाना प्रभारी प्रदीप पांडे की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

बैठक के दौरान थाना प्रभारी प्रदीप पांडे ने उपस्थित सभी गणमान्य नागरिकों और जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया कि बकरीद का त्योहार आपसी भाईचारे और शांति के साथ मनाया जाए। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी तरह सतर्क है, लेकिन किसी भी त्योहार की असली खूबसूरती आपसी मेल-मिलाप में ही है। बैठक में आगामी गुरुवार 28 तारीख को होने वाले इस पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो, इसे लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

नागरिकों से लिए गए सुझाव

पुलिस प्रशासन ने इस अवसर पर उपस्थित लोगों से सुझाव भी मांगे ताकि पर्व के दौरान किसी भी नागरिक को परेशानी का सामना न करना पड़े। बैठक में मौजूद जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी अपने विचार रखे और पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

ये रहे उपस्थित

बैठक में जनपद उपाध्यक्ष अविनाश शर्मा, गुलाब सिंह परस्ते, अब्दुल रहीम, अब्दुल शहीद, शौकत अली खान, गया चक्रवर्ती, राकेश अग्रवाल, राजेश सोनी, राजेश सिंगरौरे, सुरेंद्र सोनी, बंटू सिंगरौरे, दीपक पदम सहित अन्य गणमान्य नागरिक और सामाजिक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

रीवा हादसे के विरोध में निवास में उमड़ा जैन समाज

मौन रैली निकाल साध्वी सुरक्षा की उठी मांग, अहिंसक मार्च के जरिए प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

निवास। रीवा जिले में हाल ही में जैन साध्वी के साथ हुई दुखद सड़क दुर्घटना और उनके असामयिक निधन से पूरे जैन समाज में गहरा शोक और आक्रोश है। इसी घटना के विरोध में सोमवार को निवास नगर में सकल दिगम्बर जैन समाज द्वारा एक विशाल मौन अहिंसा रैली निकाली गई। इस रैली के माध्यम से समाज ने अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए साधु-संतों की सुरक्षा के लिए ठोस इंतजाम करने की पुरजोर मांग उठाई।

सुबह श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर से शुरू हुई यह मौन रैली नगर के प्रमुख मार्ग बाजार चौक, बस स्टैंड और तहसील मार्ग से होते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंची। रैली में समाज के वरिष्ठजन, महिला मंडल, युवा और बच्चे बड़ी संख्या में शामिल हुए। सभी समाजजन हाथों में बैनर और तख्तियां लिए हुए मौन रहकर दिवंगत साध्वी को श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे थे। रैली का अनुशासन और शांतिपूर्ण स्वरूप पूरे नगर में चर्चा का विषय रहा, जो अहिंसा और संयम के संदेश को चरितार्थ कर रहा था।

प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

एसडीएम कार्यालय पहुंचकर प्रतिनिधिमंडल ने तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के जरिए राष्ट्रपति, राज्यपाल, मुख्यमंत्री और जिला प्रशासन से यह मांग की गई कि रीवा घटना के दोषियों के विरुद्ध त्वरित और कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए। साथ ही, भविष्य में जैन साधु-साध्वियों के विहार और आवागमन के दौरान उनकी सुरक्षा के लिए विशेष और पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

सुरक्षा को लेकर जताई चिंता

समाज के वक्ताओं ने स्पष्ट रूप से कहा कि जैन साधु-संत भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर हैं और उनकी रक्षा करना प्रशासन की नैतिक एवं संवैधानिक जिम्मेदारी है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो समाज को अपनी धार्मिक धरोहरों की सुरक्षा के लिए आगे भी आवाज बुलंद करनी होगी।

नियमों का उल्लंघन करने वाले 14 ऑटो जब्त, 7500 का जुर्माना

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर शहर में चला विशेष अभियान

मंडला। शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने और सड़क पर बाधा उत्पन्न करने वाले वाहनों के विरुद्ध पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन में यातायात पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर अनुचित स्थानों पर वाहन खड़े करने वाले ऑटो चालकों पर कार्रवाई की।

अभियान के दौरान एसडीओपी पीयूष मिश्रा, यातायात प्रभारी ललित गठरे और पुलिस बल ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में निरीक्षण किया। इस दौरान यातायात बाधित करने वाले 14 ऑटो वाहनों के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चालानी कार्रवाई की गई और कुल 7500 का समन शुल्क वसूला गया। यातायात पुलिस ने सभी चालकों से अपील की है कि वे केवल निर्धारित स्टैंड पर ही वाहन खड़ा करें। नियमों का पालन कर शहर की यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें, अन्यथा भविष्य में और भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।